टेट्रामिथाइल को पैट्रोल में मिलाना

986. **श्री ईश्वर चौधरी** : क्या **पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को एक कम्पनी के विरुद्ध यह शिकायत मिली है कि वह पैट्रोल में टेट्रामिथाइल लीड मिलाती है;

(ख) क्या सरकार को यह मालूम है कि टेट्रामिथाइल लीड एक विष है जिसका मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है और इससे "डिस्लेक्सिया" नामक मानसिक रोग होता है; और

(ग) यदि हां, तो विषयुक्त पैट्रो-रसायनों के बारे में उत्पादन प्रक्रिया की उपयोगिता की स्वास्थ्य की दृष्टि से जांच करने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) से (ग). सरकार को टेट्रामिथाइल लैड को पैट्रोल में मिलाने के सम्बन्ध में किसी प्रकार की शिकायतें नहीं मिली हैं तथापि तेल कम्पनियां पेट्रोल की ओक्टेन संख्या में वृद्धि करने के लिए टैट्रामिथाइल लैड मिला रही हैं। क्योंकि टैट्रामिथाइल लैड प्राकृतिक रूप से ही बहुत अधिक नशीली और जहरीली भी है अतः तेल कम्पनियां सभी आवश्यक सावधानी बरतने तथा सुरक्षात्मक उपाय कर रही है ताकि कोई भी कामगर टैट्रामिथाइल लैड के सीधे सम्पर्क में न आए।

फतुआ-इस्लामपुर लाइट रेलवे को पुनः चालू करना

987. **श्री वीरेन्द्र प्रसाद** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बिहार राज्य में नालन्दा और पटना जिलों में चल रही फतुआ-इस्लामपुर लाइट रेलवे (सेवा) कब से स्थगित कर दी गई है तथा उसके क्या कारण हैं तथा इसको कब से पुनः चलाया जाएगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): अभूतपूर्व बाढ़ द्वारा रेलपथ के टूट-फूट जाने के कारण सितम्बर, 1976 में फतुआ-इस्लामपुर लाइट रेलवे पर गाड़ियों का चलना बन्द कर दिया गया था। रेल-पथ की मरम्मत हो जाने के बाद, इस लाइन के एक भाग पर मार्च 1977 से गाड़ियां फिर से चलने लग गई थीं लेकिन, 25-5-1977 से इस लाइट रेलवे के कर्मचारी हड़ताल पर हैं, क्योंकि उन्होंने जो मांग-पत्र प्रबन्धकों को दिया था उसे प्रबन्धकों ने स्वीकार नहीं किया। प्रबन्धकों और कर्मचारियों के बीच का यह विवाद अब एक अधिकरण को सौंपा जा चुका है।

इस लाइट रेलवे पर गाड़ियां फिर से चलाने का फैसला कम्पनी को ही करना है क्योंकि फतुआ-इस्लामपुर लाइट रेलवे कम्पनी ही इस लाइट रेलवे की मालिक है और वही इसका प्रबन्ध करती है।

Bureau of Petroleum and Chemical Studies

988. SHRI RAJ KESHAR SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether the Bureau of Petroleum and Chemical Studies was wound up a few months back;

(b) if so, whether as per circular of Ministry of Home Affairs, employees of the Bureau were to be absorbed either in IOC or ONGC;

(c) whether employees of the Bureau have since been absorbed in the above said institutions; and